सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 06 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 263, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

वस्त्र उद्योग में कृषि के बाद अधिक रोजगार की संभावनाः सीएम योगी

इनसाइड भू-माफियाओं और लेखपाल की सांठगांठ उजागर तो... » Pg03

चीफ जस्टिस पर हमले की खबर से हड़कंप

सीजेआई बीआर गवई पर वकील ने फेंका जूता

हमलावर चिल्लाया- नहीं सहेंगे सनातन का अपमान, चीफ जस्टिस बोले- इससे फर्क नहीं पड़ता, हम विचलित नहीं

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक मामले की सुनवाई के दौरान एक वकील ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की है। खबरों की मानें तो यह मामला सीजेआई की हाल ही में भगवान विष्णु की मूर्ती को लेकर की गई टिप्पणी से जुड़ा है। इसी टिप्पणी के विरोध में 70 वर्षीय राकेश किशोर नामक वकील ने सीजेआई पर हमला कर दिया। वह बहस के दौरान मंच के पास गया और उसने जूता निकाल कर सीजेआई पर फेंकने की कोशिश की। हालांकि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे सीजेआई पर हमला करने से पहले ही रोक लिया और कोर्ट से बाहर कर दिया। बाहर निकाले जाते समय वकील ने जोर जोर से, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे जैसे नारे लगाए।

अफरा-तफरी का माहौल

घटना के दौरान कोर्ट रूम में मौजूद वकील और पत्रकार कुछ पल के लिए सन्न रह गए. जैसे ही आरोपी ने जूता फेंकने की कोशिश की, सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई की और उसे काबू में कर लिया। अदालत परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन चीफ जस्टिस गवई ने बिना विचलित हुए केस की सुनवाई जारी रखी।

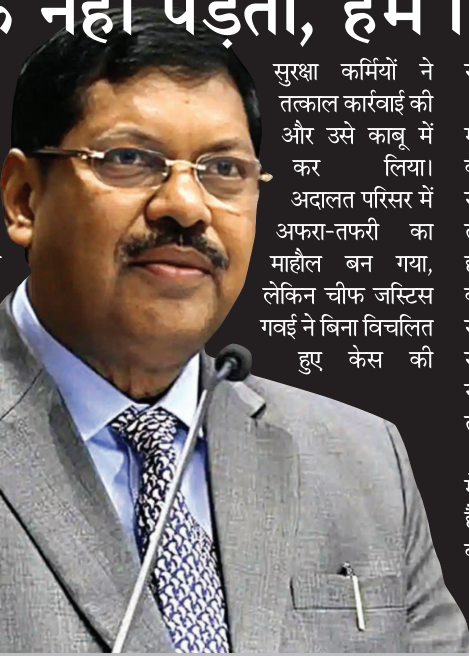

सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल।

इस घटना के बाद न्यायालय मं हड़कंप मच गया। हालांकि सीजेआई ने इस घटना के बाद वहां मौजूद लोगों से शांती बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें इस तरह की चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। हमलावर वकील को कोर्ट से बाहर ले जाने के बाद सीजेआई ने कोर्ट में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। सीजेआई ने आगे कहा, इस सब से विचलित न हों, हम भी विचलित नहीं है क्योंकि इस तरह की बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं है।

सुप्रीम कोर्ट जैसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में ऐसी घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। न्यायपालिका के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत अब महसूस की जा रही है। कोर्ट प्रशासन ने इस मामले की रिपोर्ट तैयार कर गृह मंत्रालय को भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी पेशे से वकील है और उसने अदालत में सुनवाई के दौरान अचानक यह हरकत की। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घटना के पीछे कोई संगठित साजिश या मानसिक अस्थिरता का मामला तो नहीं।

टिप्पणी का हुआ था विरोध

इस टिप्पणी को लेकर देश भर में काफी विवाद हुआ था। हिंदू संगठनो ने इसे अपने देवी देवताओं का अपमान बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद सीजेआई ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा था कि, सोशल मीडिया पर उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया है और वह सभी धर्मों का सम्मान करते है। खबरों की मानें तो आज सीजेआई पर हुआ हमला भी इसी टिप्पणी के विरोध में किया गया है।

भगवान विष्णु की मूर्ति की को लेकर की थी टिप्पणी

दरअसल कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना करने को लेकर एक याचिका दायर की गई थी। लेकिन सीजेआई ने इस मामले को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता से कहा था कि, जाओ और देवता से ही कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, तो जाओ और अभी प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति आदि देने की आवश्यकता है, क्षमा करें।

बड़ी कार्रवाई | **आवासीय कॉलोनी की जगह बना ली थी आलीशान कोठी**

लखनऊ नगर निगम ने 130 एकड़ में फैली सहारा सिटी को किया सील

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में नगर निगम ने आखिरकार बड़ी कार्रवाई करते हुए आज सोमवार को सहारा सिटी को सील कर दिया। बता दें कि यह कार्रवाई सहारा इंडिया परिवार को दी गई मियाद खत्म होने के बाद की गई। नगर निगम ने भारी पुलिस बल के साथ इस 130 एकड़ की संपत्ति को अपने कब्जे में लिया। इस संपत्ति को मूल रूप से 40 एकड़ ग्रीन बेल्ट और शेष पर आवासीय कॉलोनी विकसित करने के लिए आवंटित किया गया था। हालांकि, सहारा ने यहां एक आलीशान कोठी बना ली थी।

- » **प्रदर्शनकार कर रहे कर्मचारी बोले- अंदर रह रहे परिवारों पर हो एक्शन।**
- » **बीते एक अक्टूबर को भी हुआ था सीलिंग का प्रयास।**
- » **कई दिनों से कर्मचारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।**

सीलिंग के दौरान सहारा के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि पहले अंदर मौजूद परिवारों को बाहर निकाला जाए। यह मामला 1997 में लीड डीड रद्द होने के बाद से कोर्ट में था। 1 अक्टूबर को भी सीलिंग का प्रयास किया गया था, लेकिन तब सहारा के प्रतिनिधियों ने तीन दिन का समय मांगा था। यह समय सीमा सोमवार को समाप्त हो गई। सीलिंग के समय भारी पुलिस बल और पीएसी बल मौजूद रहा।

सुब्रतो राय की हवेली कुल 130 एकड़ जमीन पर बनी हुई है। इसमें उनकी पत्नी सपना रॉय रहा करती थीं। कुछ दिनों पहले वो यहां से चली गई थीं। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान कई कर्मचारी मौजूद रहे। इन लोगों ने नगर निगम की टीम से कहा कि सहारा सिटी में कई परिवार अब भी रह रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि उन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। कई दिनों से कर्मचारी सहारा सिटी में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना था कि यहां रहने वाले परिवारों को पहले बाहर निकाला जाए, तभी वे यहां से जाएंगे।

ग्रीनपार्क में रोमांचक जीत, भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 3 विकेट से हराया

» एकांश तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर । ग्रीन पार्क स्टेडियम रविवार की शाम कानपुर क्रिकेट प्रेमियों के लिए यादगार बन गई। भारत ने अपने शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ए टीम को 3 विकेट से हराकर मैच जीता, जैसे ही विप्रज निगम ने छक्का मारा वैसे ही पूरा स्टेडियम तालियों और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। कानपुर का आसमान आतिशबाज़ी से चमक उठा और लोगों ने इसे त्योहार की तरह मनाया।

बल्लेबाज़ों ने दिलाई टीम इंडिया ए को जीत

कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान में खेले गए तीन दिवसीय मुकाबले के तीसरे दिन टीम इंडिया ए के बल्लेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत की ओर टीम को अग्रसर किया। ओपनिंग जोड़ी के रूप में अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह मैदान पर उतरे। अभिषेक ने तेज़ शुरुआत की, लेकिन 12वें ओवर में कैच आउट होकर पवेलियन लौट गए। दूसरी ओर प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन अंदाज़ में बल्लेबाज़ी करते हुए विपक्षी गेंदबाजों पर धावा बोला। उन्होंने अपनी 68 गेंदों की पारी में 7 छक्के और 8 चौके जड़ते हुए शानदार शतक पूरा किया।

» ग्रीनपार्क में भारत ए की शानदार जीत

» भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को 3 विकेट से हराया

» जीत के साथ कानपुर का आसमान आतिशबाज़ी से चमक उठा

» स्टेडियम में गूंजे नारे भारत माता की जय

अभिषेक के आउट होने के बाद आए तिलक वर्मा लय नहीं पकड़ सके और मात्र 6 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 62 रन बनाए और टीम की पारी को संभाला। वहीं रियान पराग ने भी 55 गेंदों पर 62 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। मैच का रोमांचक अंत विप्रज निगम के छक्के के साथ हुआ, जब उन्होंने विजयी शॉट लगाकर टीम को जीत दिलाई। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के 8 विकेट गिर चुके थे, पर बल्लेबाज़ों ने संयम और आत्मविश्वास से टीम को जीत तक पहुंचाया।

विप्रज निगम के छक्के से गूंजा ग्रीनपार्क स्टेडियम में दर्शकों का शोर

ग्रीनपार्क में भारतीय गेंदबाज़ों का दबदबा

कानपुर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ए के गेंदबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया ए की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को 49.1 ओवर में 316 रनों पर समेट दिया।ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला तो किया, लेकिन भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरुआत से ही मेहमान टीम को झकझोर दिया। तेज गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने तीसरे ही ओवर में ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती झटके दे दिए।

उन्होंने पहले जैक फ्रेजर (5) को कैच कराकर पवेलियन भेजा और फिर मैकेंजी हार्न (7) को भी चलता किया। इसके बाद हर्षित राणा ने अपने सटीक लाइन और लेंथ से विपक्षी बल्लेबाज़ों को परेशान किया। 6वें ओवर में उन्होंने हैरी डिक्सन (1) को और 8वें ओवर में लैचलन हर्न (16) को रियान पराग के हाथों कैच कराकर आउट किया।सिर्फ 8 ओवर में ऑस्ट्रेलिया के चार बल्लेबाज़ पवेलियन लौट चुके थे और स्कोर बोर्ड पर महज़ 44 रन थे।इसके बाद भी भारतीय गेंदबाज़ों का दबदबा बना रहा। निशांत सिंधु ने मिडिल ओवर में लैकलन शॉ (32) को कैच आउट करवाकर साझेदारी तोड़ी। फिर आयुष बडोनी ने अपने शानदार स्पैल में दो महत्वपूर्ण विकेट झटके – कूपर कोनोली (64) और लियाम स्कॉट (73) को पवेलियन भेजा।अंत में गुरजपनीत सिंह ने टॉड मर्फी (2) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। भारतीय गेंदबाज़ों की अनुशासित गेंदबाज़ी और बेहतरीन फील्डिंग के आगे ऑस्ट्रेलिया ए की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। टीम इंडिया ए की युवा गेंदबाज़ी इकाई ने यह साबित कर दिया कि वे किसी भी परिस्थिति में विपक्षी टीम को दबाव में ला सकते हैं

घर से उठाकर किशोरी से रेप

» आरोपियों की तलाश में पुलिस की छापेमारी

» मामा के घर ले जाकर किया दुष्कर्म, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

» कल्याणपुर पुलिस ने शुरू की आरोपियों की खोज, पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में किशोरी से दुष्कर्म और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता खाटू श्याम मंदिर दर्शन के लिए गए थे,जबकि मां और बहनें बाजार गई थीं। घर में अकेली 15 वर्षीय किशोरी के होने का फायदा उठाते हुए मोहल्ले में रहने वाला युवक अपने मामा और मामा के बेटे के साथ उसे बहला-फुसलाकर अपने मामा के घर ले गया।

जहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़िता ने विरोध किया और पुलिस में शिकायत की बात कही तो आरोपी युवक अंश उर्फ अंशू ने अपने मामा शैलेंद्र और मामा के बेटे निखिल के साथ मिलकर किशोरी की पिटाई की और जान से मारने की धमकी देते हुए घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। कुछ देर बाद जब मां घर लौटीं तो उन्होंने बेटी को रोते हुए देखा, तब किशोरी ने पूरी घटना की जानकारी दी।

प्रेम संबंध की हो रही चर्चा

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपी युवक और पीड़िता के बीच पहले से प्रेम संबंध थे। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। थाना प्रभारी कल्याणपुर ने बताया कि किशोरी की मां की तहरीर के आधार पर अंश, निखिल और शैलेंद्र के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

भू-माफियाओं और लेखपाल की सांठगांठ उजागर तो पत्रकार को मिली धमकी

ग्राम प्रधान ने एसडीएम से निष्पक्ष जांच की मांग की

» दो वर्ष पहले भू-माफियाओं ने राजस्व टीम पर बोला था हमला

» स्वराज इंडिया की रिपोर्ट से मचा हड़कंप, पत्रकार को मिली धमकी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र के राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में ग्राम समाज की कीमती ऊसर भूमि पर कब्जा कर भू-माफियाओं द्वारा अवैध प्लाटिंग का खुला खेल खेला जा रहा है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत सदर एसडीएम से करते हुए क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।

ग्राम प्रधान द्वारा की गई शिकायत में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत की आराजी संख्या 608 व 613, जिसकी कुल क्षेत्रफल लगभग 2.5 हेक्टेयर है, पर प्रॉपर्टी डीलर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव ने कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, आराजी संख्या 610, जो कि ग्राम समाज की लगभग 2.49 हेक्टेयर भूमि है, उसको भी माफियाओं ने कब्जे में लेकर उसमें प्लाटिंग कर बेचना शुरू कर दिया है। इसके साथ-साथ आराजी संख्या 607 जिसमें 2.44 हेक्टेयर ग्राम समाज की ऊसर भूमि है जो प्लाटिंग हेतु भू माफियाओं के कब्जे में है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस बड़े पैमाने पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के पीछे क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार की सीधी मिलीभगत है, जिन्हें भू-माफियाओं द्वारा मोटी धनराशि दी गई है। इतना ही नहीं, जानकारी के अनुसार लेखपाल की एक रिश्तेदार महिला के नाम एक प्लॉट भी उपहार स्वरूप दिया गया है।

आरोप यह भी है कि लेखपाल और माफिया मिलकर अपनी साजिश को छिपाने के लिए फर्जी शिकायतें दाखिल कर सकारात्मक रिपोर्ट लगाते हैं, जिससे भविष्य में कोई कानूनी कार्रवाई न हो सके।ग्राम प्रधान ने एसडीएम से इस पूरे प्रकरण की स्वयं जांच करने की मांग की है ताकि राजस्व विभाग में फैले भ्रष्टाचार का चेहरा बेनकाब हो सके और ग्राम समाज की भूमि को बचाया जा सके।

भू-माफियाओं ने पहले भी किया था हमला

ग्राम पंचायत सुरार में भू-माफियाओं का आतंक कोई नया नहीं है। दो वर्ष पूर्व सन् 2023 में भी यहां के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा हटाने गई राजस्व टीम पर हमला किया गया था। उस हमले में कई अधिकारी और कर्मचारी घायल हो गए थे, जिसके बाद पूरे कानपुर सदर क्षेत्र के लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया था।उस समय प्रशासन ने कड़ी चेतावनी दी थी, लेकिन अब वही माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं और सरकारी भूमि को टुकड़ों में बांटकर गुपचुप तरीके से प्लाटिंग कर बेच रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि भू-माफियाओं को स्थानीय प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है, तभी वे बार-बार खुलेआम सरकारी जमीनों पर कब्जा करने में सफल हो रहे हैं।ग्राम प्रधान पंकज यादव का कहना है कि ग्राम पंचायत की ऊसर भूमि को बचाने के लिए उन्होंने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन अभी तक किसी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो यह भूमि माफियाओं के कब्जे में स्थायी रूप से चली जाएगी और ग्राम समाज की संपत्ति का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।ग्रामीणों में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर भारी आक्रोश है। लोग मांग कर रहे हैं कि दोबारा वही गलती न दोहराई जाए और इस बार प्रशासन कड़ी कार्यवाही करे ताकि भू-माफियाओं और उनके सहयोगी राजस्व कर्मचारियों को सबक सिखाया जा सके।

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
कानपुर सिटी के आसपास गांवों में लुट रही सरकारी जमीनें..
प्लॉटिंगकर्ता बोला खरीदी, कागज कह रहे जमीन सरकारी

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
एसडीएम सदर का एक्शन मोड सुरार में जमीन की होगी निष्पक्ष जांच

स्वराज इंडिया ने किया था इस कारनामे का खुलासा

स्वराज इंडिया की खबर से खुली पोल, पत्रकार को मिली धमकी

इस प्रकरण का भंडाफोड़ तब हुआ जब दैनिक स्वराज इंडिया ने इस पूरे मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर छपते ही राजस्व और माफिया गठजोड़ में हड़कंप मच गया। रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद ग्राम पंचायत सुरार के अंतर्गत ग्राम बचऊपुर निवासी खनन माफिया और भू-माफियाओं के सहयोगी अतुल यादव ने स्वराज इंडिया के विशेष संवाददाता शिवांक अग्निहोत्री को फोन पर धमकी दी। अतुल यादव ने पत्रकार को खबर छापने पर भविष्य में अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। इस धमकी से आहत संवाददाता ने थाना सचेंडी के अंतर्गत रैकेपुर पुलिस चौकी प्रभारी सुभाष मौर्या को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पत्रकार ने यह भी बताया कि यह धमकी स्पष्ट रूप से पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर हमला है और यह साफ संकेत देती है कि भू-माफिया कितने बेखौफ हैं। स्वराज इंडिया के मुताबिक, यदि समय रहते प्रशासन ने इस पर ठोस कदम नहीं उठाया तो यह मामला राज्य स्तरीय पत्रकार उत्पीड़न का गंभीर उदाहरण बन जाएगा।इस पूरे घटनाक्रम के बाद से ग्रामवासी और स्थानीय समाजसेवी संगठन पत्रकार की सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं एसडीएम सदर से लेकर जिला प्रशासन तक अब दबाव में है कि इस गंभीर राजस्व घोटाले और धमकी प्रकरण की पारदर्शी जांच कर जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

पूजा की तीन राज्यों में तलाश, मिले अहम सुराग, जल्द होगी गिरफ्तार

लव अफेयर में मर्डरः आरोपियों के खिलाफ कुर्की की तैयारी में पुलिस

»अखाड़ा निरंजनी ने भी किया निष्कासित।

» अलीगढ़, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र में बाइक शोरूम मालिक अभिषेक की हत्या के मामले में फरार 25 हजार की इनामी महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस की चार टीमें लगी हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, मध्यप्रदेश के उज्जैन में पुलिस दबिश दे रही है। सूत्रों का कहना है कि पूजा ने धार्मिक स्थल में पनाह ले रखी है। पुलिस का दावा है कि एक-दो दिन में ही उसकी गिरफ्तारी हो सकती है। 26 सितंबर की रात को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी 25 वर्षीय अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दोनों शूटरों के अलावा महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय के पति अशोक पांडेय को जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार पूजा और अशोक ने तीन लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। पूजा के अभिषेक से संबंध थे। वह अभिषेक को दूर नहीं होने देना चाहती थी। जब उसने खैर में टीवीएस का शोरूम खोला तो उसमें भी पार्टनरशिप की बात कहती थी। एसएसपी ने पूजा पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। साथ ही उसके गैर-जमानती वारंट भी जारी हो गए हैं। एएसपी और सीओ प्रथम मयंक पाठक ने बताया कि पुलिस गैर राज्यों में भी पूजा को तलाश रही है।

गैर जमानती वारंट लेने के साथ ही पुलिस ने पूजा की धरपकड़ तेज कर दी है। अगर पूजा पकड़ में नहीं आती या हाजिर नहीं होती तो उसके खिलाफ पहले फरारी की उद्घोषणा जारी की जाएगी। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई भी होगी। पुलिस ने पूजा को संपत्ति को भी चिह्नित कर लिया है। बताया जा रहा है कि पूजा ने कुछ स्थानों पर कब्जा भी कर रखा था, जिसे लेकर लोगों ने शिकायतें भी की थीं। लेकिन, महामंडलेश्वर होने के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

पूजा ने 27 सितंबर को तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें सियासी दिग्गज शामिल हुए थे। साथ ही कार्यक्रम में शूटरों को भी देखा गया था। इसके अलावा घटना के दो दिन बाद भी एक कार्यक्रम आयोजित होना था। इसकी तैयारी चल रही थी। अतिथियों को आमंत्रण भी दे दिया गया था।

रिश्तेदारों की सीडीआर खंगाली

पूजा घटना वाली रात को ही फरार हो गई थी। ऐसे में पुलिस ने उसके करीबियों और रिश्तेदारों को रडार पर ले लिया है। साथ ही उसकी सीडीआर खंगाली गई है। इसमें जो भी लोग हाल-फिलहाल में उससे अधिक संपर्क में थे। उनसे भी पूछताछ की जा रही है। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी ने महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय को निष्कासित कर दिया है। अभिषेक हत्याकांड में मुकदमा दर्ज होने के बाद अखाड़े के पंचों ने यह निर्णय लिया है। साथ ही दूसरे महामंडलेश्वर व संतों के कृत्य की जांच कराई जा रही है।

जमानत पर कल सुनवाई

पूजा ने अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय में अर्जी डाली है। यहां उनके भाई ने कागजी प्रक्रिया पूरी कराई। इस पर सात अक्टूबर को सुनवाई होगी। उधर, अशोक पांडेय की निचली अदालत से जमानत रद्द होने के बाद सत्र न्यायालय में अर्जी की तैयारी है।

संवेदनशील श्रेणी में अशोक

जेल में अशोक व शूटरों को फिलहाल 10 दिन के लिए क्वारंटाइन बैरक में रखा है। जेल प्रशासन ने अशोक को संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए निगरानी बढ़ा दी है। मुलाकात के लिए उससे 10 नाम लिए गए हैं। इनके अलावा किसी से मुलाकात नहीं कराई जाएगी। सप्ताह में केवल तीन मुलाकात हो सकती है।

जमानत रद्द कराना चाहती थी पुलिस

अभिषेक हत्याकांड में आरोपी पूजा शकुन पांडेय पर पुलिस के रिकॉर्ड में अब तक पांच मुकदमे दर्ज हैं। पूजा ने कभी महात्मा गांधी के पुतले को गोली मारकर विवाद पैदा किया तो कई बार विवादित व भड़काऊ बयानों से माहौल खराब करने का प्रयास किया। पुलिस ने दो बार गिरफ्तार करके जेल भेजा। जमानत पर बाहर आकर उसने फिर से वही अपराध दोहराया। इसी के चलते तीन साल पहले पुलिस प्रशासन ने पुराने मुकदमे में पूजा की जमानत रद्द के लिए अपील डाली थी। लेकिन, न्यायालय से पूजा को राहत मिल गई।

इस बयान ने मचाया था बवाल, हुई थी गिरफ्तारी

पूजा शकुन पांडेय पर पहला मुकदमा 30 जनवरी 2019 को दर्ज हुआ था। आरोप था कि अपने कार्यालय पर शौर्य दिवस मनाते हुए महात्मा गांधी के पुतले को गोली मारी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद अप्रैल 2020 तक तीन और मुकदमे दर्ज हुए, जिनमें विवादित बयान देने के आरोप लगे। अप्रैल 2020 में पूजा ने तब्लीगी जमातियों को गोली मार देने का विवादित बयान दिया। इसमें मुकदमा दर्ज हुआ। जून 2022 में पूजा ने राष्ट्रपति को खून से पत्र लिखकर जुमे के दिन होने वाली भीड़ पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर दी। इससे माहौल बिगड़ने की आशंका जताई गई। पुलिस ने मुकदमे की तैयारी कर ली और एसीएम द्वितीय की ओर से नोटिस भेजा गया। इसी के साथ लगातार मुकदमों के चलते गांधीपार्क पुलिस की ओर से न्यायालय में पूजा और अशोक के खिलाफ दर्ज 2019 के मुकदमे में जमानत निरस्तीकरण की अर्जी दी गई। तर्क दिया गया कि दोनों ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। हालांकि बाद में न्यायालय ने अर्जी को निरस्त करते हुए पूजा और अशोक को राहत दे दी। इसके बावजूद पूजा के विवादों का सिलसिला नहीं थमा। हालांकि सभी मुकदमों में पूजा को जमानत मिल गई।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर मेडिकल स्टोरों में ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप

ब्रजेश पाठक बोले- श्रेसन कफ सिरप को प्रदेश सरकार ने कभी नहीं खरीदा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

लखनऊ। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में लोहिया अस्पताल के आसपास स्थित कई मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने प्रतिबंधित कोल्ड्रिफ कफ सिरप की खेप की तलाशी ली। विभाग ने बताया कि प्रदेश में मेसर्स श्रेसन फार्मास्यूटिकल्स की कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी गई है। ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्य के नेतृत्व में लोहिया अस्पताल के आस-पास आधा दर्जन मेडिकल स्टोरों पर कार्रवाई की गई।

मौर्य ने बताया कि यूपी सरकार ने इस सिरप पर प्रतिबंध लगाया है और सरकारी व निजी संस्थानों को इस दवा की सैंपलिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कफ सिरप के आयात-निर्यात, बिक्री और वितरण पर फिलहाल पूरी तरह से रोक है।

विभाग की टीम ने दवा निर्माणशालाओं से सिरप और उसमें प्रयुक्त प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि यह कदम दवा के संभावित दुष्प्रभावों को देखते हुए उठाया गया है। सहायक आयुक्त बृजेश कुमार ने बताया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में इस दवा के सेवन से गंभीर दुष्प्रभाव और स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें सामने आई थीं, जिसके बाद विभाग ने यूपी में सख्ती बढ़ाई है। दवा विक्रेताओं से उनके भंडारण की जानकारी मांगी गई है और संदिग्ध स्टॉकों की जांच की जा रही है। एफडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित दवा की बिक्री करते पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि वह प्रतिबंधित ब्रांड की कफ सिरप का उपयोग न करें और संदिग्ध दवा की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें।

वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि जिस कफ सिरप को लेकर देश में विवाद छिड़ा है, बच्चों की अस्वाभाविक मौत हुई हैं, वो दुखद है। हमारी सरकार ने कभी भी ऐसी कफ सिरप को नहीं खरीदा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को पत्रकारों से कहा मैंने एडवाइजरी भी जारी की है कि ऐसे कफ सिरप से बचें। कल ही औषध नियंत्रण विभाग ने इसे उत्तर प्रदेश में बैन कर दिया है।

कफ सिरप को लेकर एक दिन पूर्व रविवार को सहायक औषधि आयुक्त दिनेश कुमार तिवारी के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि मेसर्स श्रेसन फार्मास्यूटिकल (निर्माता- नं. 787, बैंगलोर हाईवे, सुंगुवाचत्रम, जिला कांचीपुरम, तमिलनाडु) द्वारा तैयार कोल्ड आरआईए सिरप (बैच न. एसआर-1-3, निर्माण मई 2025, एक्सपायरी अप्रैल 2027) में डाईएथिलीन ग्लाइकाल और एथेलिन ग्लाइकाल जैसे विषैले रसायनों की मौजूदगी की आशंका है। ये दोनों रसायन शरीर के लिए बेहद खतरनाक हैं और इनका सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। सहायक औषधि आयुक्त दिनेश कुमार तिवारी ने अपने आदेश में सभी औषधि विक्रेताओं, सरकारी और गैर-सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि उक्त बैच के कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग तत्काल रोका जाए। साथ ही दुकानों व अस्पतालों में उपलब्ध स्टॉक का नमूना जांच हेतु लखनऊ स्थित राज्य औषधि प्रयोगशाला में तत्काल भेजा जाए।

सम्पादकीय

किशोरों के भटकाव की गंभीर चुनौती

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना उद्वेलित करने वाली है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली घटना है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती आक्रामकता और संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। बताते हैं हत्या में शामिल युवक गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। इस बाबत प्रकाशित खबरों के अनुसार मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह हृदयविदारक है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है।

उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख पैदा हुआ है। बहरहाल, किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारी परिवार संस्था बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रही है ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? उन्हें क्यों लगता है कि किसी लड़की को छेड़ा जाना चाहिए? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष तिरोहित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला क्रूर ढंग से गला काटना हो सकता है?दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। आम तौर पर फिल्मों में हीरो हिरोइन से छेड़खानी करता और उसे परेशान करता नजर आता था। बाद में फिल्म की पटकथा में नायिका उसी हीरो के आगे समर्पण करती नजर आती थी। फिर फिल्म की पटकथा इस छेड़खानी को प्रेम कथा और विवाह में तब्दील कर देती है। कालांतर समाज के किशोरवय और युवाओं में यह संदेश गया कि निजी जीवन में यही छेड़खानी उनकी प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। फिर बची-खुची कसर हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीन व क्रूर-कथाओं ने पूरी कर दी। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता भर दी कि समाज में इसे न्यू नॉर्मल मानने की सोच पैदा हुई। कहीं न कहीं पारिवारिक संस्था व शिक्षा व्यवस्था इस सोच को खारिज करने में चूकी है। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। कोरोना संकट के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं की अपरिहार्यता ने विद्यार्थियों को मोबाइल उपयोग की स्वच्छंदता दी। आज उन्हें प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं।

परमाणु बम का हौवा बरकरार रहने की आशंका

मनोज जोशी

हाल ही में भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान उभरे हालात के मद्देनजर भारतीय उपमहाद्वीप में परमाणु युद्ध के खतरे को हलके में लेना दुस्साहस ही कहा जाएगा। पाकिस्तान की परमाणु धमकी जगजाहिर है। वहीं भारत का नया दावा भी अहम है कि वह परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। दरअसल, बड़ा खतरा पूर्ण युद्ध का है। शेक्सपियर के मशहूर नाटक मैकबेथ के चरित्र बैंको के भूत की तरह, परमाणु हथियारों का साया हाल के दशकों में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षों पर रह-रहकर मंडराता रहा है। नकारने के बावजूद, ऑपरेशन सिंदूर पर भी यह मंडराता रहा।

पिछले इतिहास को देखने पर, वास्तविक परमाणु युद्ध का जोखिम हालांकि बहुत कम, लगभग नगण्य लगता रहा है। लेकिन जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं, कई राहें दिखाई देनी लगी हैं,जो भयावह अंजाम की ओर ले जा सकती हैं। इन संभावनाओं की गंभीरता ने ही अमेरिका को इस युद्ध से दूरी बनाए रखने के अपने पहले रुख को तजकर, त्वरित सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने और दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम करवाने में मदद करने को सक्रिय किया। भारत का कहना है कि यह युद्ध विराम द्विपक्षीय रहा, लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि यह 'अंकल सैम' (ट्रंप) की मध्यस्थता से बना है, जो अब हमें इसके बारे में बार-बार याद दिलाते नहीं थक रहे।

बीती 12 मई को कतर की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर व्हाइट हाउस में बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा : 'मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम करवाने में मदद की, मुझे लगता है यह स्थायी होगा, इस तरह बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों से लैस इन दो मुल्कों के बीच खतरनाक संघर्ष समाप्त हो गया'। इससे एक दिन पहले, उन्होंने 'मौजूदा आक्रामकता' को खत्म करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी नेतृत्व की प्रशंसा की थी और कहा कि 'लाखों भले और निर्दोष लोग अन्यथा मारे जाते'।टकराव बनने से पहले ही, पाकिस्तान ने परमाणु घुड़की देनी शुरू कर दी थी। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि पानी को रोकने या मोड़ने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और इसका जवाब राष्ट्रीय शक्ति और उपलब्ध तमाम संसाधन का उपयोग करके दिया जाएगा'। यहां पर 'तमाम संसाधन' का अभिप्राय स्पष्ट रूप से परमाणु हथियार था। फिर, जैसे-जैसे संकट बढ़ता गया, पाकिस्तान और ज्यादा परमाणु घुड़कियां देने लगा। बता दें कि 10 मई को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक बुलाई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा परमाणु हथियारों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बाद में पाकिस्तान आसानी से इससे मुकर गया। परमाणु हथियारों से संबंधित घटनाक्रमों को लेकर बहुत सी भ्रामक सूचनाएं फैलीं। ऐसी ही एक खबर में बताया गया कि किराना हिल्स पर भारतीय हमले के तुरंत बाद, जहां कथित तौर पर कुछ पाकिस्तानी परमाणु हथियार रखे हुए हैं, एक बीचक्राफ्ट सुपर किंग एयर 350 विमान सरगोधा में उतरा है - जो कथित तौर पर अमेरिकी ऊर्जा विभाग का है। और इसकी उपस्थिति का परमाणु एंगल से कुछ लेना-देना नहीं था।भारत ने इस बात से इनकार किया कि उसने सरगोधा के नज़दीक मुशाफ एयरबेस से लगभग 15 किमी. दूर स्थित किराना हिल्स पर कोई हमला किया है। लेकिन हां, किराना हिल्स के मुहाने पर स्थित दो सैन्य ठिकानों पर भारतीय हमले के सबूत अवश्य हैं। यहां स्पष्ट करना होगा कि रावलपिंडी के पास नूर खान वायुसेना अड्डा, कराची के पास मलीर और किराना हिल्स पर भारतीय हमलों का मकसद कुछ ऐसा ही संदेश देना था। क्योंकि इन जगहों पर या इनके आसपास ही कहीं पाकिस्तान के परमाणु हथियार रखे होने के कयास हैं।यह 12 मई को और भी स्पष्ट हो गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि 'भारत परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक हमला करेगा'।यह एक नया सैद्धांतिक रुख है, क्योंकि पिछले 40 वर्षों में भारत ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना किया है, यह परमाणु कारक ही था जिसने भारत के हाथ बांध रखे थे।

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

वर्षा जल संरक्षण अभियान

दीपक कुमार शर्मा

वर्षा जल संचयन एक पारंपरिक लेकिन अत्यंत प्रभावी तकनीक है, जो वर्षा के जल को इकट्ठा कर विभिन्न उपयोगों हेतु संग्रहीत करती है। भारत में बढ़ते जल संकट और शहरीकरण के चलते इसकी महत्ता और आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यह एक पर्यावरण-संवेदनशील, कम लागत और टिकाऊ समाधान प्रदान करता है। भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संग्रहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है।

एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुनः अपनाया जा रहा है।संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है।

यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है।केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है। 2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अनेक लोग इसे जटिल और महंगा मानते हैं, जिससे इसका व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन प्रभावित होता है। तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, गलत डिज़ाइन और रखरखाव में लापरवाही के कारण कई प्रणालियां विफल हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाधाएं भी हैं।

अमृत वर्षा की पावन रात है शरद पूर्णिमा

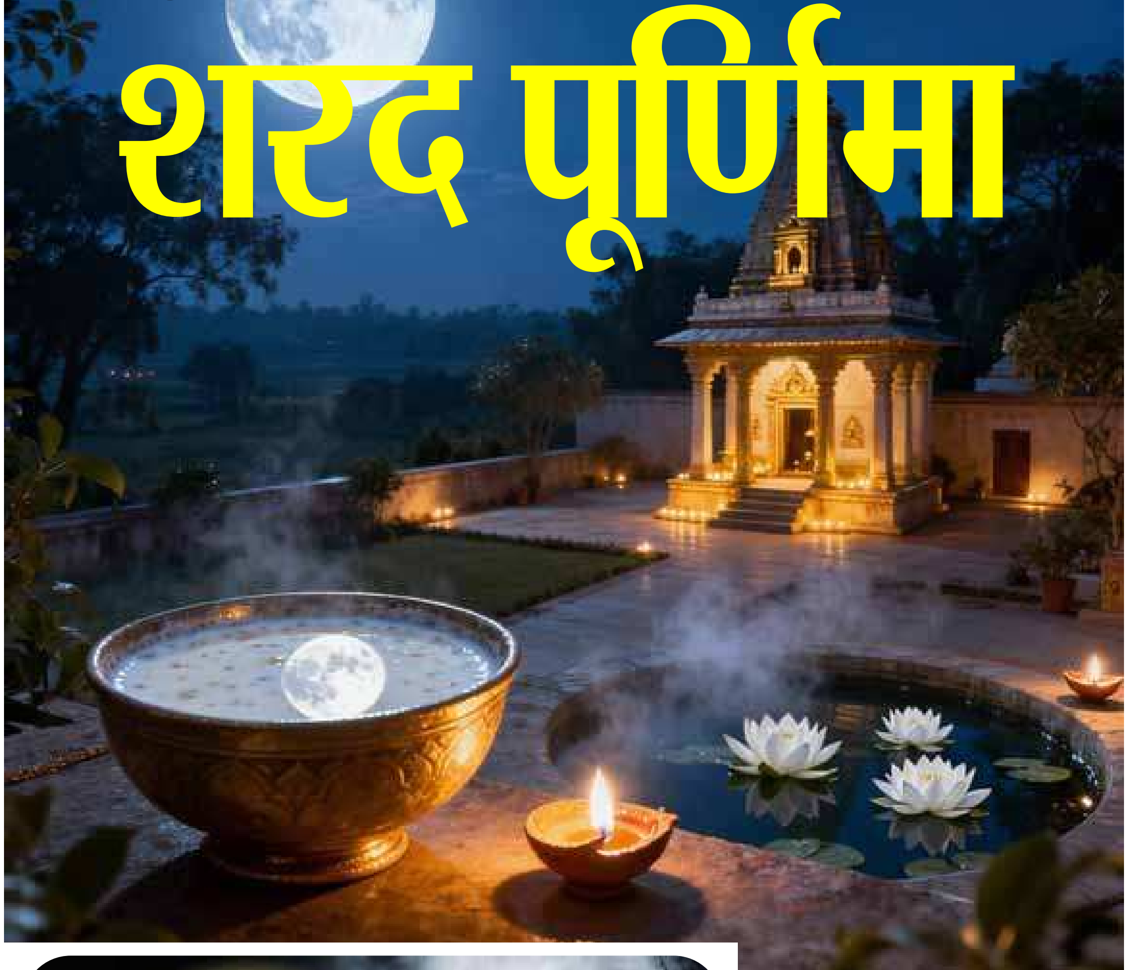

» जब चंद्रमा लाता है समृद्धि और शांति का संदेश

» कल पूरे देश में मनाई जाएगी शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा के लाभ

- यह व्रत मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है।
- दरिद्रता और संकटों का नाश होता है तथा घर में लक्ष्मी कृपा स्थायी बनती है।
- चांदनी में रखी खीर का सेवन स्वास्थ्य लाभ और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- दांपत्य जीवन में प्रेम, सुख और सौहार्द का संचार होता है।
- ध्यान और भक्ति में लीन व्यक्ति को आध्यात्मिक जागृति प्राप्त होती है।

विशेष मान्यता

लोकमान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात स्वयं चंद्रदेव अमृत वर्षा करते हैं। इसलिए इस रात खुले आसमान के नीचे रखे गए भोजन में दिव्य ऊर्जा का संचार होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी इस समय की ठंडी चांदनी में स्वास्थ्यवर्धक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

शरद पूर्णिमा की यह पावन रात्रि सभी के जीवन में उजाला, समृद्धि और सुख-शांति लेकर आए।

» धर्म अध्यात्म डेस्क स्वराज इंडिया

लखनऊ।हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का अत्यंत धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व है। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि को आने वाली यह पवित्र रात कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा के नाम से भी जानी जाती है। मान्यता है कि इसी रात भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज की गोपियों के साथ महारास रचाया था, जो प्रेम, भक्ति और आत्मिक एकता का अद्भुत प्रतीक माना जाता है।

इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी चांदनी में अमृत तुल्य तत्व विद्यमान रहते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि जो भक्त शरद पूर्णिमा के दिन व्रत रखकर चंद्रमा का दर्शन करते हैं, उन्हें दीर्घायु, धन, सौभाग्य और आध्यात्मिक शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस दिन श्रद्धालु प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा की जाती है।

रात्रि में चांदनी के नीचे खीर रखकर चंद्रमा की अमृतमयी किरणों से उसका स्पर्श करवाया जाता है। इसके बाद उसी खीर का प्रसाद स्वरूप सेवन करने से शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि होती है।

भक्त श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः फ मंत्र का जप कर माँ लक्ष्मी से कृपा की कामना करते हैं।

शरद पूर्णिमा व्रत कथा

एक समय की बात है, एक शहर में एक साहूकार रहता था, जिसकी दो पुत्रियाँ थीं। दोनों बेटियाँ धार्मिक स्वभाव की थीं और प्रतिदिन भगवान विष्णु की पूजा करती थीं और पूर्णिमा का व्रत भी करती थीं।

बड़ी पुत्री ने हमेशा पूर्णिमा का व्रत पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से किया, जबकि छोटी पुत्री ने व्रत के कुछ नियमों का पालन नहीं किया और शाम के समय ही भोजन कर लिया करती थी, जिसके कारण उसका व्रत अधूरा रह जाता था। विवाह के बाद बड़ी पुत्री को संतान हुई, लेकिन छोटी पुत्री की संतान जन्म के बाद जीवित नहीं रहती थी। अपनी संतानों के मृत्यु से वह बहुत दुखी थी और उसने किसी पंडित जी से इसका कारण पूछा। पंडित जी ने उसे बताया कि वह व्रत अधूरा करती है, इसलिए उसे संतान सुख नहीं मिलता है।

पंडित जी की सलाह पर छोटी बहन ने शरद पूर्णिमा का व्रत विधि-विधान से पूरा किया। इसके बाद उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। लेकिन कुछ दिनों बाद वह पुत्र भी मर गया। अपनी मृत संतान को एक चौकी पर लिटाकर उसने अपनी बड़ी बहन को बुलाया और उससे उस चौकी पर बैठने को कहा। जब बड़ी बहन बैठने लगी तो उसके पल्लू ने बच्चे को छू लिया। बच्चे को छूते ही वह रोने लगा।

कथा का रहस्य यह देखकर बड़ी बहन हैरान रह गई और बोली कि तुम तो मुझे कलंक लगाना चाहती थी।

इस पर छोटी बहन ने बताया कि बच्चा तो मृत था, लेकिन तुम्हारे पुण्य और शरद पूर्णिमा के व्रत के प्रभाव से वह तुम्हारे स्पर्श मात्र से जीवित हो गया। कथा का संदेश इस घटना के बाद से, छोटी बहन ने भी हमेशा शरद पूर्णिमा का व्रत पूर्ण विधि-विधान से किया और सभी नगर वासियों को भी इस व्रत को करने की सलाह दी। माना जाता है कि इस व्रत को करने से चंद्रमा मजबूत होता है और व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है।

सांप के डंसने से गाय की जान गई पुलिस ने कराया अंतिम संस्कार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के कड़क्का गांव में रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक गाय की मौत सर्पदंश से हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तुरंत डायल-112 पुलिस को दी।

» बाढ़ का पानी उतरने के बाद गांव में लगातार बढ़ी सांपों की आवाजाही

» गौरक्षा दल की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार, वन विभाग को देंगे सूचना

सूचना पाकर राजेपुर थानाध्यक्ष सुदेश कुमार पुलिस बल और गौरक्षा दल की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की मदद से मृत गाय का अंतिम संस्कार कराया गया। इस दौरान गौरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष अभय सिंह चौहान भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद गांवों में सांपों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों और पशुओं दोनों के लिए खतरा बढ़ गया है। अभय सिंह चौहान ने बताया कि क्षेत्र में लगातार सांप निकलने की घटनाएं हो रही हैं। इस संबंध में जल्द ही वन विभाग को सूचना दी जाएगी ताकि विशेषज्ञ टीम गांव में पहुंचकर सांपों को सुरक्षित रूप से पकड़ सके।थानाध्यक्ष सुदेश कुमार ने इस बाबत पुष्टि की है कि गाय की मौत सर्पदंश से हुई थी और पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से अंतिम संस्कार करा दिया है।

उधार के पैसे मांगना महंगा पड़ा, दुकानदार पर चाकू से हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

फर्रुखाबाद। मऊदरवाजा थाना क्षेत्र की काशीराम कॉलोनी में रविवार को उधार के पैसे मांगना एक दुकानदार को भारी पड़ गया। पैसे मांगने पर आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दुकानदार रवि गुप्ता (30) को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

» तीन हमलावरों ने की मारपीट, पेट में लगी गंभीर चोट

» पीड़ित ने दी तहरीर, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

रवि गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मोहल्ले के तीन लोगों ने उनकी दुकान से सामान उधार लिया था।

जब उन्होंने पैसे मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसके बाद एक आरोपी ने पेट में चाकू मार दिया, जिससे वह घायल हो गए। झगड़े के दौरान चाकू छीनने की कोशिश में उनकी उंगलियां भी कट गईं।

पीड़ित रवि गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि करीब 7-8 साल पहले इन्हीं आरोपियों में से एक ने उनके छोटे भाई को गंगा नदी में डुबोकर मार दिया था।

तब भी धमकियां दी गई थीं। उन्होंने बताया कि यह हमला उसी रंजिश का नतीजा है। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में विवाद हुआ है। रवि गुप्ता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर मिली लापता किशोरी, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

» रेलवे स्टेशन पर घूमती मिली थी 13 वर्षीय आराध्या

» मऊदरवाजा पुलिस की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

फर्रुखाबाद। मऊदरवाजा थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई। जब गश्त के दौरान पुलिस को रेलवे स्टेशन पर एक किशोरी अकेली घूमती मिली।

पूछताछ में किशोरी ने अपना नाम आराध्या उर्फ पंखुड़ी (13 वर्ष) पुत्री अतुल पांडे, निवासी पल्ला ताल पश्चिम, कोतवाली फर्रुखाबाद बताया। किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह पिता की डांट से नाराज होकर घर से चली आई थी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत उसके परिजनों से फोन पर संपर्क किया। कुछ ही समय बाद आराध्या को उसके पिता अतुल पांडे और मां रश्मि पांडे के सुपुर्द कर दिया गया।

थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल अनुज तिवारी, कांस्टेबल सौरभ चौधरी और चालक राजेंद्र कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता से संभावित अनहोनी टल गई।

पानी के विवाद को लेकर पुलिस ने बरसाई लाठियां, गांव में हुआ बवाल

» वरिष्ठ अफसरों के हस्तक्षेप से मामला शांत, गांव में तनाव बरकरार

» भोगनीपुर पुलिस की बर्बरता से ग्रामीणों ने किया हंगामा

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के कुसरजापुर गांव में पानी को लेकर हुए मामूली विवाद ने रविवार रात उस समय गंभीर रूप ले लिया जब मौके पर पहुंची भोगनीपुर पुलिस ने कथित तौर पर ग्रामीणों पर बेरहमी से लाठियां भांज दीं। पुलिस के इस बल प्रयोग से पूरे गांव में हडकंप और अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने स्थिति संभालने के बजाय इंस्पेक्टर भोगनीपुर के निर्देश पर निर्दोष लोगों पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया।

घायल युवक सतीश कुमार ने बताया कि हम तो सिर्फ़ पानी के लिए बात कर रहे थे, तभी पुलिस आई और लाठी चला दी। सतीश की पत्नी रेनू देवी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस उनके पति और देवर पर लाठियां बरसा रही थी और उन्हें जबरन गाड़ी में डालने की कोशिश कर रही थी। पुलिस की इस कार्रवाई में दो युवक घायल होने का समाचार है।घटना की जानकारी मिलते ही हडकंप मच गया और आनन-फानन में भोगनीपुर उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह, सीओ संजय सिंह और कई थानों की पुलिस फ़ोर्स मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। गुस्साए ग्रामीणों ने सीओ भोगनीपुर से शिकायत करते हुए पुलिस पर बिना वजह बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। सीओ ने खुद पूरे गांव का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया और घंटों की मशक्कत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया। हालाँकि, पुलिस के इस रवैये को लेकर कुसरजापुर के ग्रामीणों में आक्रोश बरकरार है। फिलहाल अभी गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। जिसको देखते हुए निगरानी के लिए पुलिस फोर्स लगाया गया है।

युवक की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

» पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, मौके से साक्ष्य जुटाकर मौत के कारणों की जांच शुरू की

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र के बाघपुर चौकी अंतर्गत बसौसी गांव में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई। जब गांव के बाहर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतक की पहचान अनूप मिश्रा (30) पुत्र रामशंकर मिश्रा के रूप में हुई है, जो साउंड सर्विस का कार्य करता था। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची बाघपुर चौकी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

परिजनों का आरोप है कि अनूप की हत्या कर शव खेतों के पास फेंका गया है। उन्होंने बताया कि अनूप रात में साउंड सिस्टम लगाने के काम से निकला था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। सुबह ग्रामीणों ने उसका शव देखा तो परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष शिवली ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि होगी। वहीं, पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर में बदली कमान:रघुवीर लाल बने नए पुलिस कमिश्नर, अखिल कुमार हुए रिलीव

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़े प्रशासनिक फेरबदल में कानपुर की पुलिस व्यवस्था की कमान बदल दी है। मौजूदा पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को रिलीव करते हुए आईपीएस रघुवीर लाल को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। रघुवीर लाल 1997 बैच के अधिकारी हैं और अब तक एडीजी सुरक्षा के पद पर तैनात थे। सरकार के इस आदेश के तहत चार वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं।

इसी क्रम में डीजी बिनोद कुमार सिंह को सीआईडी की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है, जबकि डीजी दीपेश जुनेजा से सीआईडी का चार्ज वापस लेकर उन्हें केवल अभियोजन विभाग की कमान सौंपी गई है।वहीं, तरुण गाबा को आईजी सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

रघुवीर लाल का प्रोफाइल

रघुवीर लाल मूल रूप से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के रहने वाले हैं। वे लंबे समय तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहे हैं और लोकसभा सचिवालय की सुरक्षा में संयुक्त सचिव के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। लखनऊ कमिश्नरेट लागू होने से पहले वे राजधानी लखनऊ के अंतिम एसपी (कानून-व्यवस्था) थे।

उनकी छवि एक कुशल प्रशासक और अनुशासनप्रिय अधिकारी के रूप में जानी जाती है। पुलिस महकमे में उन्हें कड़ा लेकिन न्यायसंगत अधिकारी माना जाता है।

» अनुभवी आईपीएस अधिकारी से शहर की कानून-व्यवस्था सुधारने की उम्मीदें बढ़ीं

» अखिल कुमार ने ऐतिहासिक पारी खेलकर पूरे देश में मचा दिया था तहलका

जातीय संतुलन और अनुभव पर ध्यान

सूत्रों के मुताबिक, इस तैनाती में जातीय संतुलन और अनुभव दोनों का समुचित ध्यान रखा गया है। कानपुर जैसे औद्योगिक और संवेदनशील शहर में अनुभवी अधिकारी की तैनाती को सरकार कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

क्या बदलेगी कानपुर की तस्वीर?

पिछले कुछ समय से कानपुर में अपराध और पुलिस की छवि को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में रघुवीर लाल की नियुक्ति से शहर में नई ऊर्जा और कार्यशैली के परिवर्तन की उम्मीदें जताई जा रही हैं।

स्थानीय पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नए कमिश्नर के नेतृत्व में अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था और पुलिस-जन संवाद में सकारात्मक सुधार देखने को मिल सकते हैं।

अब सबकी निगाहें रघुवीर लाल पर हैं — क्या वे कानपुर में कानून-व्यवस्था को नई दिशा देने में सफल होंगे?

भोजपुरी संस्कृति की गूंज से गूंजा कानपुर

शास्त्री नगर में हुआ भव्य भोजपुरी रंगारंग कार्यक्रम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।शास्त्री नगर स्थित छोटे सेंटर पार्क में युवा भोजपुरी महासभा के तत्वावधान में शुक्रवार की रात भोजपुरी संस्कृति और संगीत की रंगीन छटा बिखर गई। भोजपुरी के उभरते गायक और अभिनेता आर्यन बाबु ने अपनी दमदार आवाज़ और जोशीली प्रस्तुति से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें प्रमुख रूप से प्रकाश पाल, अजय कपूर, दिनेश राय और दीपू पांडेय उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन के बाद जैसे ही आर्यन बाबु मंच पर आए, पूरे पार्क में तालियों की गूंज और सीटियों की आवाज़ से समां बंध गया। उन्होंने अपने सुपरहिट गीतों के साथ पारंपरिक भोजपुरी लोकगीतों की भी प्रस्तुति दी, जिन पर बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सभी थिरकते नजर आए।

इस अवसर पर युवा भोजपुरी महासभा के संयोजक राघवेन्द्र मिश्रा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कानपुर महानगर में रहने वाले भोजपुरीभाषी लोगों को एक मंच पर जोड़ना और अपनी भाषा एवं संस्कृति को सहेजना है। कार्यक्रम में उपस्थित गायक आर्यन बाबु ने कहा, कानपुर आकर भोजपुरी संगीत के प्रति लोगों का ऐसा प्रेम देखकर मैं अभिभूत हूँ। इस तरह के आयोजन हमारी संस्कृति को जीवित रखते है

और समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं।

रात देर तक चले इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। पूरा पार्क भोजपुरी

गीत-संगीत की मधुर धुनों से सराबोर हो गया। आयोजन को सफल बनाने में संतोष दुबे, संतोष सिंह, संजय सिंह, निर्भर शंकर सिंह, वात्सेय त्रिपाठी, अक्षय द्विवेदी, हरिओम वर्मा, सोनू पंडित, श्रीकांत मिश्रा, शंभू दुबे, अजीत सिंह, सितेशु शर्मा, मनीष सिंह और अनिल शुक्ला का विशेष सहयोग रहा।

आयोजकों ने घोषणा की कि भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि भोजपुरी संस्कृति की खुशबू कानपुर की फिजाओं में यूँ ही महकती रहे।

यूपी में कफ सिरफ "कोल्ड्रिफ" बैन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ । मध्य प्रदेश व राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट घोषित किया गया है। रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि श्रीसन फार्मा के कफ सिरप की बिक्री रोक दी जाए। विभिन्न जिलों में बनने वाले अन्य सिरप के भी सैंपल लेने और उन्हें लखनऊ प्रयोगशाला भेजने का निर्देश दिया गया है।

तमिलनाडू में बने श्रीसन फार्मा के कप सिरप कोल्ड्रिफ में खतरनाक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है। यह जानलेवा होता है। इससे मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत हो गई है। इसी तरह राजस्थान में कायसन

» सहायक आयुक्त औषधि ने आदेश जारी किया

»आज से हर जिले मैं शुरू होगा अभिया, जिलों से सैंपल लेकर भेजें जायेंगे लखनऊ प्रयोगशाला

»कोल्ड्रिफ सिरप पाया गया

फर्मा के डेक्सट्मेथारफन कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हो गई है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी सिरप को लेकर जांच अभियान शुरू किया गया है।

सहायक आयुक्त ने रविवार को सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया है श्रीसन फार्मा के किसी भी कप सिरप

की बिक्री न होने दिया जाए।

जहां भी कफ सिरप मिले तत्काल उसके नमूने लेते हुए बिक्री रोक दिया जाए।

इसके लिए सरकारी एवं निजी अस्पतालों एवं मेडिकल स्टोरों की जांच की जाएगी।

प्रदेश में संकलित कफ सिरप के नमूनों को तत्काल लखनऊ स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा। औषधि निरीक्षकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि अपने कार्यक्षेत्र में स्थित दवा निर्माणशालाओं से कफ सिरप एवं उसमें प्रयुक्त प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल का नमूना संकलित करके जांच व विश्लेषण के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा जाए। इस आदेश के बाद सोमवार को सभी जिलों में कफ सिरप को लेकर लेकर जांच अभियान शुरू होगा। सभी निरीक्षकों को हर दिन शाम को विभिन्न स्थानों पर मेडिकल स्टोरों की जांच और लिए गए नमूने के बारे में रिपोर्ट तैयार करनी है। यह रिपोर्ट गूगल शीट के माध्यम से आनलाइन प्रदेश मुख्यालय भेजी जाएगी।

भंडारण के बारे में मांगी जानकारी

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को भी पत्र भेजा है। इसमें पूछा है कि यदि प्रदेश में कहीं भई श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी के कफ सिरप भेजे गए हों अथवा उनका भंडारण हो तो तत्काल उसका वितरण रोक दें। सिरप रखे होने की सूचना दें ताकि जांच कराई जा सके। इसी तरह दवा विक्रेता संगठनों को भी सूचना भेजी गई है। यह अपील की गई है कि अपने माध्यम से भी इस सिरप की बिक्री रोक दें और भंडारण की सूचना दें।

बेसिक शिक्षकों का सरप्लस समायोजन तीन महीने बाद हुआ रद्द

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जून 2025 में किए गए बेसिक शिक्षकों के सरप्लस समायोजन को तीन महीने बाद रद्द कर दिया गया है। अब विभाग हर जिले में अलग-अलग नोटिस भेजकर शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों में वापस भेजने का आदेश दे रहा है। यह आदेश उस समय आया है जब शिक्षक पहले ही अपने नए विद्यालयों में कार्यभार संभाल चुके थे और कई ने तो अपने परिवारों के साथ वहां स्थानांतरण भी कर लिया था।

बेसिक शिक्षा विभाग ने 26 जून 2025 को एक आदेश जारी कर प्रदेशभर के 7095 बेसिक शिक्षकों और हेडमास्टर्स का समायोजन किया था। इसके बाद जुलाई में इन शिक्षकों ने अपने नए विद्यालयों में कार्यभार संभाल लिया।

यह समायोजन शिक्षक-छात्र अनुपात को संतुलित करने के उद्देश्य से किया गया था, ताकि अधिक संख्या में शिक्षकों वाली स्कूलों से कम शिक्षक वाले स्कूलों में समायोजन किया जा सके। शिक्षक और उनके परिवारों में मचा हड़कंप

अब जब यह समायोजन रद्द किया गया है, तो प्रभावित शिक्षकों के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो रहा है। शिक्षकों का कहना है कि वे पहले ही अपने परिवारों के साथ नए स्थानों पर बस चुके थे, बच्चों का एडमिशन भी नए विद्यालयों में हो चुका था। ऐसे में इस अचानक निर्णय से ना केवल उनका, बल्कि उनके परिवारों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है ।शिक्षक संगठनों ने इसे बीच सत्र में अराजक निर्णय करार दिया है।

उनका मानना है कि इस तरह के निर्णय से शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा होगी। इन संगठनों ने यह भी कहा कि वर्तमान में कई शिक्षक अपने नए विद्यालयों में बीएलओ के रूप में भी कार्य कर रहे हैं, और उनकी वापसी से चुनावी कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं।

फिलहाल कोर्ट में मामला विचाराधीन-

यह मुद्दा अब हाईकोर्ट में विचाराधीन है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि जब तक अदालत से कोई आदेश नहीं आता तब तक शिक्षकों को वापस उनके मूल विद्यालयों में भेजना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की है कि इस मामले में समायोजन थर्ड प्रक्रिया की शुरुआत की जाए, ताकि शिक्षकों को नए पदों पर समायोजित किया जा सके और शिक्षण कार्य में कोई रुकावट न आए।

सरप्लस शिक्षकों की सूची और समायोजन प्रक्रिया-

जून 2025 में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार प्रदेशभर में 7095 शिक्षक सरप्लस थे। इसमें 3951 शिक्षक प्राइमरी स्कूलों में और 3144 शिक्षक जूनियर हाई स्कूलों में शामिल थे।

इसी सूची के आधार पर शिक्षकों ने अपने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था। इस बदलाव के बाद शिक्षकों का कहना है कि यह अप्रत्याशित कदम शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा विघ्न डाल सकता है, और इसके प्रभाव को जल्द से जल्द हल करना आवश्यक है।

अयोध्या दीपोत्सव में इस बार फिर इतिहास रचेगी योगी सरकार

» तीन नए रिकॉर्ड बनाएगी प्रदेश सरकार - 26 लाख दीपों से जगमगाएगी अयोध्या नगरी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में इस बार का दीपोत्सव और भी भव्य एवं ऐतिहासिक होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस बार दीपोत्सव में अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी में है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए जाएंगे।

सबसे पहले, अयोध्या में 26 लाख से अधिक दीप जलाकर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा। इनमें से 1251 दीप सरयू तट पर एक साथ जलाए जाएंगे, जबकि पिछली बार 1100 दीप जलाए गए थे।

इसके अलावा, पहली बार 1100 ड्रोन के माध्यम से आकर्षक ड्रोन शो प्रस्तुत किया जाएगा, जो भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी झलकियां आसमान में उकेरेगा।

दीपोत्सव की झांकियों में भी इस वर्ष अनेक परिवर्तन किए गए हैं ताकि श्रद्धालु एवं पर्यटक नई झलकियों के माध्यम से रामायण की विभिन्न घटनाओं को सजीव अनुभव कर सकें।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि योगी

सरकार अयोध्या को न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान देने में सफल हुई है, बल्कि यहां का दीपोत्सव पूरी दुनिया के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन चुका है।

इस भव्य आयोजन के लिए प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। नगर के सभी घाटों, मंदिरों और मार्गों को सजाया जा रहा है। विद्युत सजावट, पुष्पसज्जा और लेज़र शो की तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं।

इस बार अयोध्या की दीपावली न केवल आस्था का, बल्कि विश्व-स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का भी अद्भुत संगम होगी।

पूर्व में भी हुए भव्य आयोजन

दीपोत्सव 2024

इस वर्ष अयोध्या ने 2,512,585 (लगभग 25.12 लाख) दीये जलाकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।
साथ ही, 1,100 वेदाचार्यों के समवेत सारयू आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे यह आयोजन और भी प्रतिष्ठित बन गया।
इस दौरान नगर में लेजर शो, ड्रोन शो, और विशेष प्रदर्शन जैसे तकनीकी एवं सांस्कृतिक मिलन देखने को मिला।

दीपोत्सव 2023

अयोध्या ने 22.23 लाख दीये जलाकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
इस आयोजन में 51 घाटों पर दीये सजाए गए और सजावट व सांस्कृतिक पेशकशों की विस्तृत श्रृंखला देखने को मिली।
पूर्व और आरंभिक आयोजन
दीपोत्सव की परंपरा योगी सरकार के कार्यकाल में पुनरुद्धार हुई।
उदाहरणस्वरूप, राम की पैड़ी (ऋड्ढ चद्व क्क्ड्ढद्रस्र्व) घाट पर 2019 में 4.10 लाख या करीब उसी स्तर के दीये जलाए गए थे।
उसके बाद से हर वर्ष आयोजन की पैमाइश बढ़ती गई।
2025 में क्या नए आयाम?
इस वर्ष के आयोजन में 56 घाटों को सजाया जाएगा।
दीपोत्सव 2025 के लिए लक्ष्य 29 लाख दीये जलाने का रखा जा रहा है, और लगभग 65,000 लीटर तेल की व्यवस्था की जा रही है।

अयोध्या | रामपथ या जामपथ?

मर्यादा की नगरी अयोध्या में मयखाने की मनमानी, प्रशासन मौन!

» अयोध्या के पवित्र रामपथ पर खुलेआम शराबखोरी

» मंदिर-स्कूल-पिज़्ज़ा हब के बीच नशे का अड्डा!

» मुख्यमंत्री के आदेश बेअसर मर्यादा और मयखाने की टकराहट ने खड़ा किया बड़ा सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।भगवान राम की नगरी, जहाँ हर ईंट आस्था से रँगी है, हर गली में मर्यादा की मिसाल बसती है वहीं रविवार को सोशल मीडिया पर एक ऐसी शर्मनाक तस्वीर वाली वायरल वीडियो सामने आई है जिसने रामराज्य की अवधारणा को सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है।मामला है अमानीगंज स्थित रामपथ का वही मार्ग जिसे सरकार ने श्रद्धा और पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या का शो-केस कॉरिडोर कहा था। लेकिन अब यही मार्ग तीर्थाटन का केंद्र नहीं, बल्कि शराबियों का नया अड्डा बनता जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने खुलकर शिकायत की है दिनदहाड़े लोग सड़क किनारे बैठकर शराब पीते हैं, बोतलें तोड़ते हैं, और अशोभनीय हरकतें करते हैं। विडंबना देखिए जहाँ कुछ कदमों की दूरी पर भगवान शिव का मंदिर, वहीं बगल में एक स्कूल और डोमिनोज़ पिज़्ज़ा हब, जहाँ परिवार अपने बच्चों के साथ आते हैं। एक ओर आरती की घंटियाँ, दूसरी ओर शराब के गिलासों की टंकार यही आज के रामपथ की हकीकत है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने खोली पोल

शराबखोरी की इसी बेफिक्री का नतीजा है वो वायरल वीडियो, जिसमें कुछ लोग आपस में शराब के नशे में भिड़ते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह विवाद भी रामपथ पर ही हुआ। वीडियो के फैलते ही शहर में भय और आक्रोश का माहौल है लोग पूछ रहे हैं, यह रामपथ है या जामपथ?

स्वराज इंडिया के सवाल

प्रदेश सरकार ने पहले ही स्पष्ट आदेश जारी किए थे कि मंदिरों और शिक्षण संस्थानों से निर्धारित दूरी पर ही शराब के ठेके रहेंगे।

फिर सवाल उठता है —

रामपथ पर यह नियम लागू क्यों नहीं?

क्या प्रशासन धार्मिक प्रतिष्ठान देखकर भी अनदेखा कर रहा है?

क्या विकास के नाम पर मर्यादा को बलि चढ़ाया जा रहा है?

स्थानीय नागरिकों और संत समाज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है या तो इस सड़क का नाम बदल दिया जाए,या यहाँ मौजूद शराब की दुकान तत्काल बंद हो।

कई श्रद्धालुओं का तर्क है कि जब रामलला की नगरी को विश्व आस्था केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, तब ऐसे दृश्य रामराज्य की आत्मा को ठेस पहुँचाते हैं।

अयोध्या अब महज एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आस्था का प्रतीक है।फिर सवाल उठता है क्या सरकार इस रामपथ को शराबियों के 'जामपथ' में बदलने देगी?

यह मुद्दा सिर्फ एक शराब की दुकान का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक इच्छाशक्ति की परीक्षा का है, जो रामराज्य का सपना दिखाकर सत्ता तक पहुँची थी।

मर्यादा पुरुषोत्तम की भूमि पर मर्यादा की मर्यादा टूटती दिख रही है। यदि यही दृश्य चलता रहा, तो आने वाले समय में पर्यटक नहीं, अपराधी और शराबी संस्कृति ही इस पवित्र पथ की पहचान बन जाएगी।

अयोध्या की जनता अब प्रशासन से बस यही पूछ रही है —

क्या राम के नाम पर बना पथ अब रावणों की राह बन जाएगा?

अधिवक्ता आलोक सिंह गोलीकांड मामले में चार आरोपी दबोचे गए

» एसएसपी की सख्त निगरानी और टीम की तत्परता बनी मिसाल

» तीन दिन की गई छानबीन, चार गिरफ्तारी, असलहे भी बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जब मूर्ति विसर्जन के उत्सव के बीच गोलियों की आवाज़ से शहर दहल गया था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ ही दिनों में वही आवाज़ अयोध्या पुलिस की सटीक कार्रवाई की गूंज में बदल जाएगी। अधिवक्ता आलोक सिंह पर हुए इस जानलेवा हमले ने प्रशासन और आम जनता दोनों को झकझोर कर रख दिया था। हालांकि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 गौरव ग्रोवर ने इसे केवल एक केस नहीं, बल्कि कानून के सम्मान की परीक्षा मान लिया और नतीजा आज सबके सामने है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 गौरव ग्रोवर ने घटना के तुरंत बाद विशेष अभियान की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कानून से बड़ा कोई नहीं और अपराधी चाहे जो भी हो, बच नहीं पाएगा। उनके निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी एवं सीओ देवेश चतुर्वेदी की निगरानी में संयुक्त पुलिस टीम गठित हुई।

प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा और स्वॉट प्रभारी अमरेश त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्रवाई को तेज़ किया गया। सर्विलांस, स्थानीय इंटेलिजेंस और मानवीय नेटवर्क तीनों को एक साथ जोड़ा गया।

महज कुछ ही दिनों में पुलिस ने मोहित पांडेय, धर्मवीर पांडेय, सूरज निषाद और अताउल्लाह शाह को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों से पिस्टल, तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद की गई।

यह सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि अपराध की पूरी कड़ी को सुलझाने वाली कार्रवाई थी।

एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर की नीति स्पष्ट है अपराध पर जीरो टॉलरेंस, पुलिस पर फुल इंटेग्रिटी। इसी नीति के तहत स्वॉट, सर्विलांस और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मैदान में वह पेशेवर दक्षता दिखाई, जिसकी अपेक्षा एक आधुनिक पुलिस बल से की जाती है। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों मनोज शर्मा, अमरेश त्रिपाठी, शेखर नाथ सिंह, आकाश कनौजिया, सौरभ सिंह, अमित राय, स्वर्ण कुशवाहा, राजीव यादव और अन्य ने बिना रुके, बिना थके अपराधियों का पीछा किया और उन्हें दबोच लिया।

एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर-एक अधिकारी, जिसकी सोच अपराधियों के लिए चेतावनी है

एसएसपी गौरव ग्रोवर अपनी कार्यशैली से अयोध्या पुलिस की नई पहचान गढ़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में शहर ने देखा है कि कानून बोलता है जब पुलिस ईमानदार होती है। उनकी प्राथमिकता सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, बल्कि यह संदेश देना है कि अयोध्या में अपराध करने से पहले सौ बार सोचो।

अयोध्या में सतरंगी छटा बिखेरता समाप्त हुआ डांडिया महोत्सव-5

» माता की आराधना के भक्तिभाव में डूबा शहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।आस्था, उल्लास और नारी शक्ति का संगम बना डांडिया महोत्सव-5, जिसका आयोजन आरोही एक उड़ान सेवा ट्रस्ट अयोध्या जी परिवार द्वारा 4 अक्टूबर को भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसे महापौर महंत गिरीश प्रति त्रिपाठी और गुरु माता जी ने संपन्न किया ।कार्यक्रम की शुरुआत वृद्धाश्रम के वृद्धजनों के साथ डांडिया खेलकर की गई। जिससे समाज में समरसता और सम्मान का सुंदर संदेश गया। संस्था की अध्यक्ष एवं संस्थापक पल्लवी वर्मा ने बताया कि इस आयोजन में लगभग 375 महिलाओं ने माता रानी की आराधना करते हुए डांडिया नृत्य में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा से भरे प्रतिभागियों में से बेस्ट कपल का सम्मान सुनील जी और सोनी जी, बेस्ट डांस का खिताब वैष्णवी और बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार शुभि को दिया गया। इसके अलावा लगातार पांच वर्षों से महोत्सव में सहभागिता निभा रहे सुमित और प्रियंका सक्सेना को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

वस्त्र उद्योग में कृषि के बाद अधिक रोजगार की संभावना: सीएम योगी

कहा- नारी की गरिमा, सुरक्षा, सम्मान को भारत की संस्कृति ने सदा सर्वोच्च स्थान दिया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे है. पहले दिन सोमवार को शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्र में लगभग 250 बालक-बालिकाओं को सिलाई मशीन लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए महिलाओं को आज के दौर में मजबूती से खड़े रहने और समाज को सशक्त बनाने के लिए धन्यवाद भी दिया।

छात्राओं को प्रमाण पत्र, लैपटॉप एवं सिलाई मशीन वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम।

मुख्यमंत्री ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि मां अन्नपूर्णा जी की धरा पर 108 वर्षों से संचालित इस आश्रम जिसमें अनेक लोककारी कार्य किए जा रहे हैं, उसके लिए महंत शंकर पुरी व पूरी टीम को बधाई। मां प्रदेश में संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम में ये कायक्रम जुड़कर नारियों के स्वावलंबन के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव प्रस्तुत करता है। मां अन्नपूर्णा के प्रसाद स्वरूप ही हम अन्न को प्राप्त कर पाते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सौभाग्य है कि काशी का नेतृत्व दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रदेश में 60 लाख महिलाओं को आवास प्रदान करना, 12 करोड़ से ज्यादे लोगों को शौचालय मुहैय्या कराना, 10 करोड़ से ज्यादे लोगों को गैस कनेक्शन देना, 3 करोड़ लोगों को घरौनी मुहैया कराकर महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के माध्यम से सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका उत्थान कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगों को रोजगार वस्त्र सेक्टर देता है।

उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप जितनी सिलाई करेंगी, आपकी आय में उतनी अधिक वृद्धि होगी। महिलाएं यहां कपड़ा जो तैयार करेंगी, उसको पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी। सीएम ने कहा की प्रदेश की राजधानी में 1100 एकड़ में वस्त्र मित्र पार्क बन रहा। प्रदेश के अनेकों जगहों पर टेक्सटाइल पार्क बनाया जा रहा है, जो आने वाले समय में वस्त्र रोजगार के लिए वरदान साबित होगा।

सीएम ने कहा कि अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम देव वाणी संस्कृत के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। अन्नपूर्णा मंदिर के संस्कृत महाविद्यालय के बच्चे सभी कार्यक्रमों में वैदिक मंत्रोच्चार करके माहौल को आध्यात्मिक बना देते हैं। यहां गौसेवा भी बहुत अच्छे से की जा रही है। भारत की यही संस्कृति रही जिस पद्धति को ये मठ बहुत तेजी से आगे बढ़ा रहे है। यहां छात्रों को संस्कृत परम्परा के साथ जुड़कर आधुनिक शिक्षा दी जा रही है, आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी।

संस्कृत के उत्थान के लिए सरकार ने स्कॉलरशिप तथा रहने खाने, उच्च स्तर पर शोध हेतु लगातार कार्य कर रही है। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है, जिसकी उपज पाणिनि थे, जिनका व्याकरण हमको देखने को मिलता है। महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था। संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा।

बिहार इलेक्शन: छह-11 नवंबर को दो चरणों में होगा चुनाव, 14 को रिजल्ट

चुनाव आयोगी ने किय ऐलान, पहले राउंड में 121 दूसरे में 122 पर होगा मतदान

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित होंगे। इलेक्शन कमिशन ने बताया कि पहले राउंड में 121 सीटों पर मतदान होगा और फिर दूसरे राउंड में 122 पर वोटिंग होगी। इस चुनाव का नतीजा 14 नवंबर को घोषित होगा। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को तो दूसरे का 11 नवंबर को होगा। पहले राउंड के मतदान के लिए 10 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर होगी और वापस लेने की लास्ट डेट 20 अक्टूबर रहेगी। दूसरे चरण के लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। 20 अक्टूबर को नामांकन की आखिरी तारीख होगी 23 तारीख तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान इलेक्शन कमिशन की ओर से हो रहा है। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में 7.42 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में कई नई चीजें शुरू हो रही हैं और उन्हें देश भर में आगे चलकर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सुविधाओं के लिए तय किया है कि एक पोलिंग बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर ना रहें।

बिहार में 90 हजार 700 पोलिंग बूथ रहेंगे। इनमें से महिलाओं द्वारा 1044 बूथ संचालित होंगे। इसके अलावा मॉडल पोलिंग बूथ 1000 के करीब रहेंगे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि हर जगह पोलिंग स्टेशन ग्राउंड फ्लोर पर ही होंगे। इससे बुजुर्गों और दिव्यांगों को सुविधा रहेगी। उन्होंने कहा कि हमने बिहार के दौरे पर जिलाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि किसी भी तरह से उम्मीदवारों और मतदाताओं को धमकी मिलने जैसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम चाहेंगे कि हर कोई मतदान करे और उसके लिए पर्याप्त सुविधा रहे। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि अवैध लेनदेन, कैश आदि पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा उम्मीदवारों के खर्चों पर भी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि हम कुल 17 नए कदम उठा रहे हैं, जो बाद में देश के अन्य चुनावों में भी लागू होंगे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम सूची में नए जुड़े हैं या फिर जिनके पते आदि बदल गए हैं, उन्हें नए वोटर आईडी कार्ड दिए गए हैं।

यूपी पुलिस में फेरबदल, चार आईपीएस अफसरों के तबादले

» रघुवीर लाल कानपुर के नए कमिश्नर बने।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। यूपी पुलिस में फेरबदल हुआ है। योगी सरकार ने सोमवार को चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें एडीजी सुरक्षा रघुवीर लाल को कानपुर का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। काफी समय से इस पद पर नए पुलिस कमिश्नर की तैनाती का इंतजार किया जा रहा था।

डीजी पद पर प्रोन्नत होने के बाद बिनोद कुमार सिंह को सीआईडी का डीजी बनाया गया है। इसके साथ ही उनके पास साइबर क्राइम के डीजी का अतिरिक्त कार्यभार रहेगा। आईजी लखनऊ रेंज तरुण गाबा को आईजी सुरक्षा बनाया गया है। हालांकि उनके पास आईजी लखनऊ रेंज का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियाँ उनके अनुभव और कार्यक्षमता के आधार पर दी गई हैं ताकि राज्य के पुलिस तंत्र को और प्रभावी बनाया जा सके। गृह विभाग के आदेश के अनुसार, यह तबादले तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। सभी अधिकारियों को अपने नए कार्यस्थलों पर जल्द से जल्द पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों के तबादले को लेकर पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। माना जा रहा है कि आगामी त्योहारों और राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है ताकि प्रदेश में शांति व्यवस्था बनी रहे और अपराधों पर नियंत्रण किया जा सके।